सोलर रूफ टॉप पैनल स्थापित कर सौर ऊर्जा उत्पादन की तरफ पहला कदम

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, आणंद के प्रयास से मध्य प्रदेश के उज्जैन दुग्ध संघ के अंतर्गत खेड़ाखजूरिया दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति ने सोलर रूफ टॉप पैनल स्थापित कर सौर ऊर्जा उत्पादन की तरफ पहला कदम बढ़ाया है साथ ही दुग्ध संघ के कार्यक्षेत्र में मारुखेड़ा महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति में

पर्यावरण-मित्र जैवगैस या बायोगैस एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए फ्लेक्सी बायोगैस यूनिट महिला दुग्ध उत्पादक श्रीमती अनीता मेहता के घर में स्थापित किया है। बायोगैस से स्वच्छ व सस्ती ऊर्जा आपूर्ति तथा ग्रामीण पर्यावरण की सफाई के साथ ही उच्च कोटि की कार्बनिक खाद की भी प्राप्ति होती है।

मधुमक्खी पालन : एक बेहतर रोजगार का साधन एवं कृषि उपज की वृद्धि में सहायक

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), देश के डेरी नेटवर्क का उपयोग कर किसानों के बीच वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। इस गतिविधि को झारखंड में आगे बढ़ाने के लिए एनडीडीबी, झारखंड मिल्क फ़ैडरेशन (जेएमएफ़), रांची के द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) की सहायता से मधुमक्खी पालन पर दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन 20-21 दिसंबर, 2018 को देवघर जिला, झारखंड में किया गया। इस कार्यशाला में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए 325 से अधिक किसानों ने प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड की सदस्य समिति तनिष्क ग्रामीण सेवा संस्थान, बागपत, उत्तर प्रदेश के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में किसानों को शहद के अलावा मधुमक्खी पालन से कई अन्य बहुमूल्य उत्पाद प्राप्त करने के बारे में बताया गया, जिनमें प्रमुख हैं, मोम, पराग, रॉयल जेली, प्रोपोलिस तथा मधुमक्खी विष। किसानों को वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन के लिए जरूरी उपकरण की जानकारी भी दी गयी।